

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 3955  
बुधवार, 22 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

मध्यप्रदेश में वृष्टि

3955 श्री राजबहादुर सिंह:  
श्री पी.पी.चौधरी :  
श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी :  
श्री सी.पी. जोशी :  
श्री संगम लाल गुप्ता :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले पांच वर्षों में देश, विशेषकर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले, मध्य प्रदेश में सागर और देवास जिलों और राजस्थान में चित्तौड़गढ़, उदयपुर, प्रतापगढ़ और पाली जिलों में वार्षिक वृष्टि की मात्रा कितनी है;
- (ख) क्या पूरे भारत की तुलना में इन राज्यों में हुई वार्षिक वृष्टि की मात्रा में कमी आई है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन राज्यों में जल- आपूर्ति के लिए क्या कार्रवाई की गई है;
- (घ) क्या सरकार ने उक्त राज्यों में जल-संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने के लिए कोई उपाय किए हैं; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) पूरे देश में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले, मध्य प्रदेश में सागर और देवास जिले तथा राजस्थान में चित्तौड़गढ़, उदयपुर, प्रतापगढ़ और पाली जिलों में, पिछले पांच वर्षों में वार्षिक वर्षा (मिमी में) **अनुलग्नक I** में दी गई है।
- (ख)-(ग) आईएमडी ने दक्षिण पश्चिम मानसून ऋतु के दौरान हाल के 30 वर्षों (1989- 2018) के आईएमडी के प्रेक्षण डेटा के आधार पर जून से सितंबर तक 29 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में राज्य और जिला स्तर पर प्रेक्षित मानसून वर्षा परिवर्तनयता और परिवर्तनों का विश्लेषण किया है तथा 30 मार्च 2020 को एक रिपोर्ट जारी की। प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के लिए प्रेक्षित वर्षा परिवर्तनीयता और इसकी प्रवृत्ति पर रिपोर्ट आईएमडी वेबसाइट (<https://mausam.imd.gov.in/>) पर "प्रकाशन" शीर्ष के तहत के साथ-साथ आईएमडी पुणे की वेबसाइट <http://www.imdpune.gov.in/hydroology/rainfall%20variability%20page/rainfall%20trend.html> पर उपलब्ध है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं;

- पांच राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय और नागालैंड ने हाल के 30 वर्षों की अवधि (1989-2018) के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा में उल्लेखनीय कमी देखी है।

- अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के साथ इन पांच राज्यों में वार्षिक वर्षा में भी उल्लेखनीय कमी की प्रवृत्ति दिखाई दी है।
- इसी अवधि के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसूनी वर्षा में अन्य राज्यों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं दिखा है।
- जिलेवार वर्षा पर विचार करने पर, देश में अनेक जिले हैं, जिनमें हाल के 30 वर्षों की अवधि (1989-2018) के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून और वार्षिक वर्षा में महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखे हैं। भारी वर्षा के दिनों की आवृत्ति के संबंध में, सौराष्ट्र और कच्छ, राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों, तमिलनाडु के उत्तरी भागों, आंध्र प्रदेश के उत्तरी भागों और दक्षिण-पश्चिम ओडिसा के आसपास के क्षेत्रों, छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और मिजोरम, कोंकण और गोवा तथा उत्तराखंड में उल्लेखनीय वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है।

(घ)-(ङ) जल एक राज्य का विषय है, फिर भी केंद्र सरकार ने भूजल के संरक्षण, प्रबंधन, देश में भूजल स्तर को बढ़ाने सहित वर्षा जल के संचयन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अनेक महत्वपूर्ण उपाय किए हैं, जिन्हें यूआरएल [:http://jalshakti-dowr.gov.in/sites/default/files/Steps\\_to\\_control\\_water\\_Depletion\\_Feb2021.pdf](http://jalshakti-dowr.gov.in/sites/default/files/Steps_to_control_water_Depletion_Feb2021.pdf) पर देखा जा सकता है।

केंद्र सरकार विभिन्न नीतिगत पहलों/स्कीमों के माध्यम से कृषि और पेयजल आदि सहित विभिन्न प्रयोजनों के लिए भूजल और सतही जल के संयुक्त उपयोग को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय जल नीति (एनडब्ल्यूपी) (2012) में देश में भूजल और सतही जल के कुशल उपयोग सहित जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए कई नीतिगत हस्तक्षेपों की वकालत की गई है। राष्ट्रीय जल नीति को URL: [http://jalshakti-dowr.gov.in/sites/default/files/NWP2012Eng6495132651\\_1.pdf](http://jalshakti-dowr.gov.in/sites/default/files/NWP2012Eng6495132651_1.pdf) पर देखा जा सकता है।

जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन विभाग, आरडीएंडजीआर (डीओडब्ल्यूआर, आरडीआरजीआर) सामुदायिक भागीदारी के साथ भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए अटल भूजल योजना (अटल जल), केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम लागू कर रहा है। अटल जल को 81 जल संकटग्रस्त जिलों और सात राज्यों अर्थात् गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेशकी 8,774 ग्राम पंचायतों में क्रियान्वित किया जा रहा है।

संपूर्ण देश में				
वार्षिक (जनवरी-दिसंबर)				
वर्ष	वास्तविक (मिमी)	सामान्य (मिमी)	% अंतर	श्रेणी
2016	1083.1	1187.6	-9%	
2017	1127.1	1187.6	-5%	
2018	1020.8	1187.6	-14%	
2019	1288.8	1176.9	10%	
2020	1289.6	1176.9	10%	

उत्तर प्रदेश का प्रतापगढ़ जिला				
वार्षिक (जनवरी-दिसंबर)				
वर्ष	वास्तविक (मिमी)	सामान्य (मिमी)	% अंतर	श्रेणी
2016	848.9	943.6	-10%	एन
2017	841.9	943.6	-11%	एन
2018	887.5	943.6	-6%	एन
2019	1269.2	856.9	48%	ई
2020	953.6	856.9	11%	एन

मध्य प्रदेश									
		वार्षिक	जनवरी-दिसंबर, 2016			वार्षिक	जनवरी-दिसंबर, 2017		
क्र.सं.	जिला	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी
1	सागर	1392.9	1192.2	17%	एन	884.2	1192.2	-26%	डी
2	देवास	924.0	1031.4	-10%	एन	810.2	1031.4	-21%	डी

मध्य प्रदेश													
		वार्षिक:	जनवरी-दिसंबर, 2018			अवधि	वार्षिक (जनवरी-दिसंबर)- 2019			अवधि:	वार्षिक (जनवरी-दिसंबर)- 2020		
क्र.सं.	जिला	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी
1	सागर	901.8	1192.2	-24%	डी	1557.2	1183.7	32%	ई	1006.9	1183.7	-15%	एन
2	देवास	675.5	1031.4	-35%	डी	1506.0	973.6	55%	ई	1409.9	973.6	45%	ई

राजस्थान									
		वार्षिक:	जनवरी-दिसंबर, 2016			वार्षिक	जनवरी-दिसंबर, 2017		
क्र.सं.	जिला	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी
1	चित्तौड़गढ़	1351.5	765.3	77%	एलई	724.7	765.3	-5%	एन
2	प्रतापगढ़	1319.2	915.3	44%	ई	1115.6	915.3	22%	ई
3	उदयपुर	913.7	639.7	43%	ई	825.3	639.7	29%	ई
4	पाली	882.2	485.7	82%	एलई	822.7	485.7	69%	एलई

राजस्थान													
		वार्षिक:	जनवरी-दिसंबर, 2018			अवधि	वार्षिक (जनवरी-दिसंबर)- 2019			अवधि:	वार्षिक (जनवरी-दिसंबर)- 2020		
क्र.सं.	जिला	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी	वास्तविक	सामान्य	% अंतर	श्रेणी
1	चित्तौड़गढ़	707.0	765.3	-8%	एन	1252.4	751.3	67%	एलई	710.8	751.3	-5%	एन
2	प्रतापगढ़	1135.0	915.3	24%	ई	1818.2	918.8	98%	एलई	1050.4	918.8	14%	एन
3	उदयपुर	563.4	639.7	-12%	एन	1088.3	632.7	72%	एलई	770.2	632.7	22%	ई
4	पाली	316.9	485.7	-35%	डी	736.8	491.8	50%	ई	604.1	491.8	23%	ई

\*\*\*\*\*

